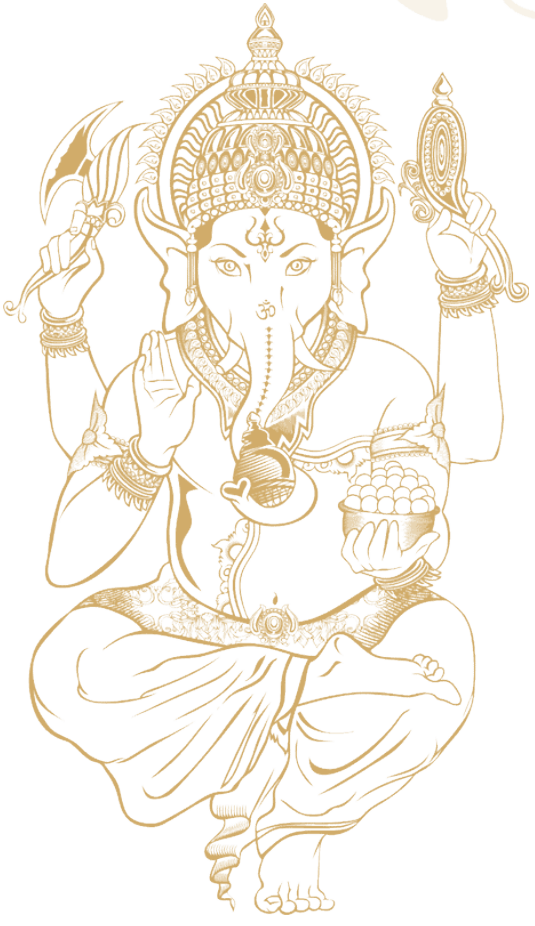

Mr.mukal

28 May 2004

05:40 PM

Yamunanagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120097702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/05/2004**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**17:40:00 घंटे**
इष्ट	30:46:58 घटी
स्थान	**Yamunanagar**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:07:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:19:12 घंटे
वेलान्तर	00:02:43 घंटे
साम्पातिक काल	09:44:42 घंटे
सूर्योदय	05:21:12 घंटे
सूर्यास्त	19:15:16 घंटे
दिनमान	13:54:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	13:34:43 वृष
लग्न के अंश	24:19:52 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वज्र
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टे-टेकचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	24:19:52	304:29:33	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			वृष	13:34:43	00:57:33	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	27:39:39	13:09:48	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			मिथु	19:27:51	00:37:54	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	शत्रु राशि
बुध			मेष	22:09:41	01:34:25	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
गुरु			सिंह	15:48:41	00:04:05	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र	व		वृष	29:59:49	00:24:54	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	स्वराशि
शनि			मिथु	17:46:12	00:06:54	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	मित्र राशि
राहु			मेष	17:03:08	00:01:30	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु			तुला	17:03:08	00:01:30	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			कुंभ	12:48:37	00:00:38	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप	व		मक	21:26:44	00:00:21	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	27:21:23	00:01:32	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	29:56:18	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:55

लग्न-चलित

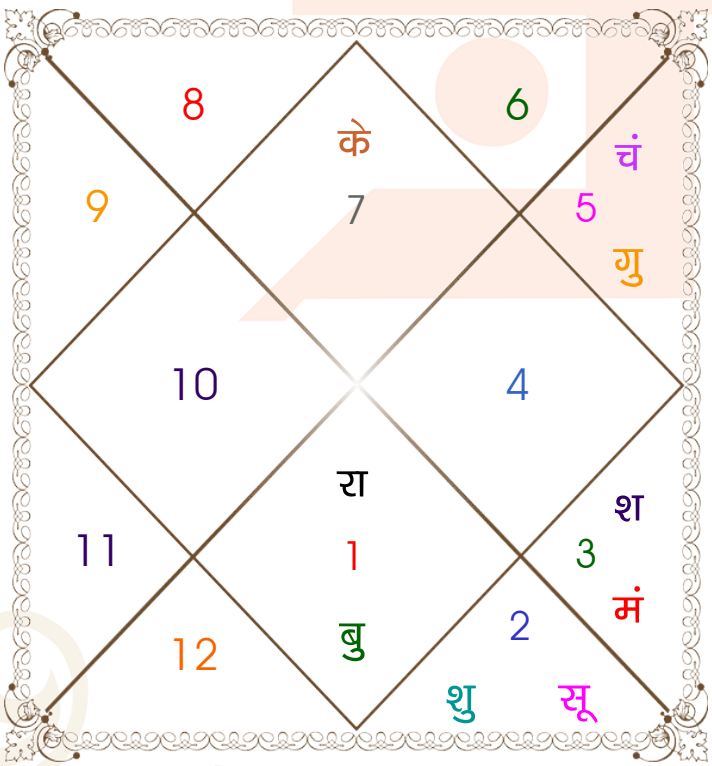

चन्द्र कुंडली

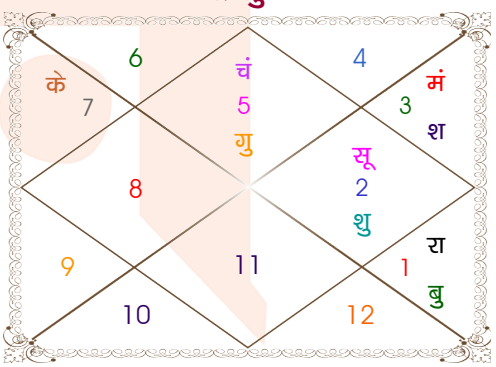

नवमांश कुंडली

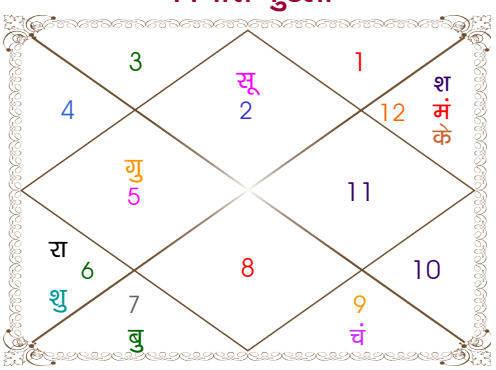

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 6 मास 19 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
28/05/2004		16/12/2009		17/12/2019		17/12/2026		16/12/2044	
16/12/2009		17/12/2019		17/12/2026		16/12/2044		16/12/2060	
	28/05/2004	चंद्र	17/10/2010	मंगल	14/05/2020	राहु	29/08/2029	गुरु	03/02/2047
चंद्र	04/10/2004	मंगल	18/05/2011	राहु	01/06/2021	गुरु	22/01/2032	शनि	17/08/2049
मंगल	09/02/2005	राहु	16/11/2012	गुरु	08/05/2022	शनि	28/11/2034	बुध	22/11/2051
राहु	04/01/2006	गुरु	18/03/2014	शनि	17/06/2023	बुध	17/06/2037	केतु	28/10/2052
गुरु	23/10/2006	शनि	17/10/2015	बुध	13/06/2024	केतु	05/07/2038	शुक्र	29/06/2055
शनि	05/10/2007	बुध	17/03/2017	केतु	10/11/2024	शुक्र	05/07/2041	सूर्य	17/04/2056
बुध	10/08/2008	केतु	16/10/2017	शुक्र	10/01/2026	सूर्य	30/05/2042	चंद्र	17/08/2057
केतु	16/12/2008	शुक्र	17/06/2019	सूर्य	18/05/2026	चंद्र	29/11/2043	मंगल	23/07/2058
शुक्र	16/12/2009	सूर्य	17/12/2019	चंद्र	17/12/2026	मंगल	16/12/2044	राहु	16/12/2060

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
16/12/2060		17/12/2079		16/12/2096		18/12/2103		18/12/2123	
17/12/2079		16/12/2096		18/12/2103		18/12/2123		00/00/0000	
शनि	20/12/2063	बुध	14/05/2082	केतु	14/05/2097	शुक्र	18/04/2107	सूर्य	05/04/2124
बुध	29/08/2066	केतु	12/05/2083	शुक्र	14/07/2098	सूर्य	18/04/2108	चंद्र	29/05/2124
केतु	08/10/2067	शुक्र	12/03/2086	सूर्य	19/11/2098	चंद्र	17/12/2109		00/00/0000
शुक्र	07/12/2070	सूर्य	16/01/2087	चंद्र	20/06/2099	मंगल	16/02/2111		00/00/0000
सूर्य	19/11/2071	चंद्र	16/06/2088	मंगल	16/11/2099	राहु	16/02/2114		00/00/0000
चंद्र	20/06/2073	मंगल	14/06/2089	राहु	05/12/2100	गुरु	17/10/2116		00/00/0000
मंगल	30/07/2074	राहु	01/01/2092	गुरु	11/11/2101	शनि	18/12/2119		00/00/0000
राहु	05/06/2077	गुरु	08/04/2094	शनि	21/12/2102	बुध	18/10/2122		00/00/0000
गुरु	17/12/2079	शनि	16/12/2096	बुध	18/12/2103	केतु	18/12/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 6 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।